



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY,

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 316]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार विसम्बर 14, 1990/अग्रहायण 23, 1912

No. 316] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 14, 1990/AGRAHAYANA 23, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 104 ग्राई टी सी (पी एन)/90—93

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 1990

विषय :—ग्रामीण क्षेत्रों में भू-जल के उपयोग हेतु 401
मिलियन यैन की अधिकारित ग्रन्तदाता सहायता,
1990-91 से सम्बन्धित लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं. ग्राई पी सी/23(67)/90—93 — 1990-
91 के लिए 401 मिलियन यैन की जापानी ग्रन्तदाता सहायता के अन्तर्गत आवश्यक भू-जल के उपयोग हेतु परियोजनाओं के निष्पादन के लिए जापान से उत्पादों के परिवहन के लिए वाग् होने वाली शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिषट्ट दी गई है, सूचना के लिए अधिसूचित की जाती है।

तेजेन्द्र खन्ना, मुख्य नियंत्रक
आयात-नियंत्रित

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 104 ग्राई टी सी (पी एन)/90—93 दिनांक 14 दिसम्बर, 1990 का परिषट्ट

वर्ष 1990-91 के लिए 401 मिलियन यैन (401,000,000) की जापानी ग्रन्तदाता सहायता के अन्तर्गत जापान से उत्पादों के परिवहन के लिए अधिकारित भू-जल सेवाओं के उपयोग के लिए परियोजना के निष्पादन हेतु लाइसेंसिंग शर्तें।

(खण्ड-1) सामान्य शर्तें

(1) वर्ष 1990-91 के लिए 401 मिलियन यैन की जापानी ग्रन्तदाता सहायता उपस्कर और सेवाओं के आवान के लिए और उनके भारतीय पत्तनों पर ग्रान्तिक परिवहन के लिए जापानी संभरकों को की जाने वाली अवायी के वित्त पोषण के लिए है।

(2) आयातक के नाम में आयात लाइसेंस कुल मिलाकर 451 मिलियन यैन (लागत बीमा भाड़ा) मूल्य से अधिक के लिए जारी नहीं किए जाने चाहिए और उन पर एक

शीर्ष 1990-91 "के लिए 401 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता" होना चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस कोड "एस/जे एन" होगा। परन्तु सामान्य बुले लाइसेंस के अन्तर्गत आने वाली मदों के लिए कोई आयात लाइसेंस अपेक्षित नहीं है।

(3) किंतु मुद्रा के किसी भी परेपेज की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकार्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकार्ता को भारतीय रूपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगी और लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

(4) उपर्युक्त की प्राप्ति इस अनुदान के अन्तर्गत जापान से ही की जाए।

(5) आयात लाइसेंस लागत बीमा भाड़ा आधार पर जारी किया जाएगा जोकि 31-3-1991 तक वैध रहेगा।

(6) संविदा में नकद आधार पर अर्थात् बैंक अफ इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पोतलदान दस्ता बेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। उसमें सुपुर्देशी की अधिकार्ता के लिए भी इस प्रकार व्यवस्था होनी चाहिए:—

"सुपुर्देशी 15-3-1991 तक पूर्ण की जानी है।"

(7) संविदा का मूल्य लागत और भाड़ा या जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य आधार पर येन में दर्शाया जाना चाहिए (येन की भिन्न को हटाया जाना चाहिए) और यदि कोई हो तो भारतीय अधिकार्ता का कमीशन शार्टमिल नहीं किया जाना चाहिए। अन्य किसी मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत और भाड़ा धनराशि अलग-अलग प्रदर्शित की जानी चाहिए, परन्तु ठेके में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़े का खर्च वास्तविक आधार पर देय होगा या ठेके में निर्दिष्ट किए गए भाड़े का वास्तविक खर्चों के अनिरुद्ध येन धनराशि होगी।

(8) क्रम संविदा जापानी येन में केवल जापानी राष्ट्रिकों या जापानी राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित जापानी वैध व्यक्तियों के साथ की जानी चाहिए। एक प्रमाण पत्र (दो प्रतियों में) जिसमें संभरक की पावता दर्शाई गई हो प्रत्येक संविदा के साथ जोड़ी जानी चाहिए।

खण्ड-2 संभरण ठेकों में निम्नलिखित ग्रन्ति विभाग रूप से समाविष्ट होनी चाहिए।

(1) 1990-91 के लिए 401 मिलियन येन की अनुदान सहायता में संबंध इस संविदा की व्यवस्था 6 जुलाई 1990 को भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुबोदन के अधीन होगी।

(2) किंतु संभरकों को भुगतान उप (भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र) (एपी) के मान्दन से बंकों जाएगा जो 1990-91 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक अफ इंडिया, टोकियो के नाम में रद्दायता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय अधिकार्ता कार्य विभाग, इण्डियन शायल भवन, 5वां नद (बी.विंग) जापान, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

(3) जापानी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए महमत है जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर जापान सरकार द्वारा अपेक्षित हों।

(4) जापानी संभरक भारतीय दूतावास टोकियो के साथ विचारन्विमर्श करके पोतलदान वी व्यवस्था करने के लिए सहमत हो गया हो और उस उद्देश से वह शामिल महल की डिलीवरी के कार्यव्राम के बारेमें भारतीय दूतावास, टोकियो को सूचित करता रहेगा और कम से कम 48 घण्टे पहले अपेक्षित पोतलदान की अर्पणता भारतीय दूतावास को देना ताकि समूचित व्यवस्था की जा सके। अपवादस्वरूप अर्थर आयात-कर्ता जाहे तो नोटिस की इस अवधिकों कम किया जा सकता है। जापानी संभरक प्रत्येक पोतलदान के बाद आयात-कर्ता को केवल द्वारा आवश्यक व्यौरे की सूचना देने के लिए भी सहमत होगा तथा उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जाएगा।

खण्ड-3 भारत सरकार और जापान द्वारा टेके का अनुमोदन

(1) जैसे ही अदेशों को अंतिम रूप दे दिए जाते हैं, लाइसेंसदारी को दोनों पाइयों द्वारा विधिवत् दस्तावेजित ठेके की पांच प्रतियों या जापानी संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए क्रम आदेश के साथ जापानी संभरक द्वारा नियित रूप में पुष्टिकरण अदेश की चार प्रतियों सहित सभी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के साथ अनुबन्ध-1 के प्रपत्र में "एपी जारी करने के आवेदन" की दो प्रतियों सहित अवर संविदा (जापान) अधिकार्ता कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संविदा की विधप वस्तु या उसकी कीमत के आवश्यक आशोधनों से उत्पन्न सभी संविदा संशोधनों के लिए भी लागू होगी।

(2) वित्त मंत्रालय (डीईए) जापान अनुभाग 1990-91 के लिए 401 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्तवात देने के लिए संविदा की दो प्रतियां। जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक-एक सैट लेखा व लेखा परीक्षा और भारत के दूतावास, टोकियो को भी भेजा जाएगा।

(3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय अधिकार्ता कार्य विभाग, नार्थ ब्लाक जापान अनुभाग उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक

आधिक कार्य विभाग, वित मंत्रालय, इंडियन आयल भवन, ५वां तल बी.विग जनपथ, नई दिल्ली-११०००१ को देगा जोकि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए बैंक आफ इंडिया टॉकियो को अनुबन्ध-२ के अनुसार पक्क "भुगतान प्राधिकार पत्र" (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियां भास्त सरकार का दूनावास टॉकियो, आयातक भारत में आयातक के बैंक और वित मंत्रालय, कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जाएंगी।

(4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ इंडिया टॉकियो जापान सरकार, भारत का राजदूतावास, टॉकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं तेल्हा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए, इस प्राप्ति की सूचना से संभरक को अनुगत बताएंगा।

(5) पांचलक्षण करने के लिए जापानी संभरक अपने बैंकरों के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टॉकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टॉकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि जापानी संभरक को अपने बैंकरों के माध्यम से रिमीज करेगा।

(6) जापानी रांभरक को भुगतान करने की व्यवस्था करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टॉकियो को देय बैंकिंग प्रभारों का भुगतान भारत में आयातकर्ता के संबंधित बैंक द्वारा भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए विना सामान्य बैंक सूचीों के माध्यम से बैंक आफ इंडिया टॉकियो को धन परेषण द्वारा तय किया जाएगा।

खण्ड-४ रुपया निधेष करने के लिए उत्तरदायित्व

(1) मूल पराक्रान्ति वोत परिवहत दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टॉकियो द्वारा भारत में आयातक के संबंधित बैंक को भेजे जाएंगे जोकि भारतीय स्टेट बैंक या अनुबन्ध-१ में(ए) पर यथा-उल्लिखित किसी राज्यीय बैंक की एक जाता होनी जो संबंधित आयातक को पराक्रान्ति जहाजरानी दस्तावेज दिल्ली करने से पूर्व इस बान को सुनिश्चित करेगा कि जापानी संभरक को चुकाई गई येन भुगतान को समतुल्य रूपये की धनराशि के बराबर रुपया उन मामलों में जहां देने योग्य है, व्याज के प्रभारों सहित मुख्य अदायगी की राशि सहित संभरक को भुगतान कर दिया है और उस धनराशि पर जापानी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टॉकियो द्वारा भुगतान की निधि से बास्तविक स्टेट बैंक करने को तिथि तक की अवधि पर पहले ३० दिनों तक जारी १२ प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से और शेष अवधि के लिए १८ प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से हिमाचल लगाकर व्याज सार्वजनिक सूचना सं. ३१-आई टी सी (पी एन)/८३, दिनांक २०-८-८३ और ३५-आई टी सी) (पी एन)/-८३, दिनांक २०-८-८३ की शर्तों के प्रनुसार सरकारी लेखे में जमा कर दिया गया है। व्याज दोनों दिनों अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखे में खाता जमा किया जाता है, देय है, देखिए सार्वजनिक सूचना सं. १०३-आई टी सी (पी एन)/७६, दिनांक १२-१०-७६ में यथा-निर्धारित रूप में जमा होता चाहिए।

दिनांक १२-१०-७६ और सार्वजनिक सूचना सं. ८३०-आई टी सी (पी एन)/३५-८८, दिनांक २०-७-८७ द्वारा संसाधित सार्वजनिक सूचना सं. ७४-आई टी सी (पी एन)/७४, दिनांक ३१-५-७४ आयातक द्वारा किए जाने वाले रुपये निधेषों को निकटात्म रुपये में गिना जाएगा। विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनियम वो दर भुगतान की तारीख की लागू विनियम की वह भिन्ना दर होती जो सार्वजनिक सूचना सं. ८-आई टी सी (पी एन)/७६, दिनांक १७-१-७६ तथा सार्वजनिक सूचना सं. ११३-आई टी सी (पी एन)/८८-९१ दिनांक ६-४-८९ में नियारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा विनियम नियंत्रण परिवर्त्तों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो। इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिवृच्छित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होती कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सीधे से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातकों भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने अणवादाताओं से दस्तावेजों की सुरुदंगी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होती कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी है भले ही ग्रब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमान्तरक प्राधिकारियों से माल की सुरुदंगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि को माल की सुरुदंगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए। जिस तेजा शर्तों में उपयुक्त रुपया निकेष किया जाएगा वह "के डिपाजिट्स एण्ड एडवान्सिज-४४३ निविल डिपाजिट्स-डिपाजिट्स फार परवेजिज अट्सद्वा एग्राड अण्डर ग्रांट एड फ्रॉम दि गवर्नमेंट आफ जापान फार १९९०-९१ ग्रांट फार दि परवेज आफ इक्विपमेंट/सर्विसिज।

(2) कार उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिनी ओर कोने में कोड में ५१३००००००९ का संकेत देते हुए ऐसा संभव न होता पैसा भारतीय स्टेट बैंक या उसकी किसी अनुपर्याप्त आवाहा या किसी गार्डीयकृत बैंक (डायर) से डिमांड ड्राइप लेफ्ट उसे भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली-६ (इयरी एण्ड पेंटी) को अदा किया जाए नियकर सरकार यी तात्र में सार्वजनिक सूचना सं. १०३-आई टी सी (पी एन)/७६, दिनांक १२-१०-७६ में यथा-निर्धारित रूप में जमा होता चाहिए।

(3) सरकार द्वारा ऐसा किया जाने के बाद सात दिनों के भीतर में सम्बद्ध बैंक भी ऊपर नियारित तरीके से यह अतिरिक्त धनराशि सेवा खाती के निमित्त भेजेगा जो

वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। चालान के विभिन्न कालमों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकरों को इस बात को सूनिश्चित कर लेना चाहिए, कि सार्व-जनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना चालान के कालम “धन परेषण” और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण बैंक में निरपेक्ष रूप में प्रस्तुत करने चाहिए:—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकारी पत्र की संख्या और विनांक

(ख) येत मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निषेप किए जाने हैं।

(ग) जापानी संभरक की भुगतान करने की तिथि।

(घ) अब किए गए व्याज की राशि और अवधि जिसके लिए गिना गया है।

(ड) कुल जमा राशि। (व्याज की गणना जापानी संभरक को अदायगी की तारीख से और उस तारीख तक जिस तारीख को समकक्ष रूपया सरकारी खाते में जमा कराया है, की जाएगी)।

उसके पश्चात् सी.ए.ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकारी का सन्दर्भ देते हुए और बीजक तथा पौत्र-परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए जाना चालान रूपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए. एण्ड ए. को भेजा जाना है।

टिप्पणी :—भारत में आयातक के बैंक वो यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रूपये का निषेप भारतीय बैंक टोकियो की अदायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पौत्रदान दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपेक्ष रूप से किया जाना चाहिए और यह कि उसके तत्काल बाद सी.ए.ए. एण्ड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

(4) भारत में संबद्ध भारतीय बैंक की लाइसेंस की मुद्रा वित्तमय नियंत्रण प्रति पर रूपया निषेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित “एस” प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड-5 विधि व्यवस्थाएं

(1) अनुदान सहायता के उपयोग करने की रिपोर्ट :— संभरक को की जाने वाली अदायगियों की राशि और तारीख का सुनिश्चित करने के लिए आयातक को अलग से व्यवस्था करनी होगी। आयातक के बैंक द्वारा देर या विलम्ब से प्राप्त पौत्र परिवहन इत्यादि प्रलेखों की प्राप्ति के रूपया निषेप राशि पर देय व्याज राशि को आर्थिक या पूर्ण रूप में माफ करने का कारण नहीं माना जाएगा।

आयातक का पौत्रदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साख-न्यूज खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय इंडियन आयत भवन, 5वां तल (बी. विंग) जनपथ, नई दिल्ली-110001 को भेजती चाहिए।

(2) आयातक को उन किसी विशेष उपमन्त्रों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत माल के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी भारतीय स्टेट बैंक टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबन्ध-1 में “भुगतान की शर्तें” के अन्तर्गत अच्छी तरह स्पष्ट कर देनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद के निपटान से संबंध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

(4) भावी अनुदेश

जापान से 1990-91 के लिए अनुदान सहायता के अन्तर्गत आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित से इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत सभी आभारों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए निदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-नियंत्रण (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

(6) अनुबन्धों की सूची

अनुबन्ध-1.प्राधिकार-पत्र जारी करने के लिए अनुरोध।

अनुबन्ध-2 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र।

अनुबन्ध II

भुगतान के लिए प्राधिकार-पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र

संख्या—————

सेवा में

सहायक लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
“वी” विंग, 5वां तल, जनपथ भवन,
जनपथ, नई दिल्ली।

विषय:— भू-जल के उपयोग के लिए परियोजना के निष्पादन हेतु 1990-91 के लिए 401 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से भारती में उपस्कर के परिवहन के लिए अपेक्षित उपस्करों और सेवाओं का आयात ।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन जापान से उपस्करों और उपस्कर सेवाओं और उनके परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के संबंध में हम सबद्ध जापानी संभरक के पक्ष में बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र भेज रहे हैं :—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता ।
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और जब तक यह वैध है ।
- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके क्या यह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित हैं या सीमित खुली निविदा पर आधारित हैं । हस मामले में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करना है कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है ।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण ।
- (ङ.) माल का उद्गम देश ।
- (च) संविदा का कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)
- (छ) यदि कोई हो तो भारतीय रूपए में भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)
- (ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है ।
- (ज) जापानी संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या और विनांक ।
- (झ) जापानी संभरक का नाम और पता ।
- (ट) वे भुगतान और संभावित तिथि जिनको संविदाओं के अन्तर्गत देय होंगे ।
- (ठ) माल की सुपुर्दग्धी पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथियाँ ।
- (ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले वस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दर्शाते हुए) ।
- (छ) पोतलदान अनुदेश (अनुमेय या गैर अनुमेय बाह्यनान्तरण/आंणिक पोतलदान निर्दिष्ट कीजिए ।
- (ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता ।
- (त) बैंक आफ इंडिया, टोकियो के प्रभार कीन वहन करेगा । छपाया निर्दिष्ट करें ।

(ष) आयातक द्वारा वचनबद्धता:—हम एतद्वारा वचन देते हैं कि हम विदेशी संभरक को देय धनराशि के समतुल्य रूपए की पूर्ण धनराशि को सरकार द्वारा निर्धारित त्रियांशित से और प्रचलित दर पर यही रूप से जमा करवा देंगे । माल (आयातित सामग्री) के प्रत्येक परेपण की सुपुर्दग्धी प्राप्त करने से पूर्ण राशि शीघ्र ही जमा करवा दी जाएगी । विदेशी राप्टिकों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत बीजक अनुमोदित किए जाने हैं और संभरक को भुगतान किया जाता है वैसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी ।

भवदीय,

अमुमन्ध -2

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र सं. —————

संख्या एक
भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
नई विलो, दिनांक

सेवा में

बैंक आफ इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय:—वर्ष 1988-90 के लिए 401 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत भारत में भू-जल के उपयोग के लिए उपस्करों के परिवहन के लिए जापान से अपेक्षित उपस्करों और सेवाओं का आयात-प्राधिकार पत्र जारी करना ।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 6-7-90 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा परिशिष्ट में दिए गए यथासालगत ब्यौरे के अनुसार सर्व श्री को मैन धन-राशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है ।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में संभरकों को सूचना दें और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार आयातक बैंक, भारत के राजदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाए ।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में यथा सांकेतिक सदान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा ।

4. विदेशी संभरक को भुगतान करते समय (आयातक के बैंक का नाम और पता) —————— मूल पोत परिवहन दस्तावेज जिसके साथ अतिरिक्त दस्तावेजों का पूरा सेट और संभरक की अदायगी के लिए नामे बीजक की प्रति जिसमें अदायगी आदि कोई हो भेजी जानी चाहिए।

5. आयातक द्वारा (आपको दस्तावेज संभरकों एवं बैंकरों के प्रभार को भेजने आदि के लिए भाड़े सहित प्रदा किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े आयातक के बैंक के द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

6. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लदान दस्तावेजों आदि के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय को और आयातक के बैंक को भेजी जाने चाहिए।

7. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

8. यह भुगतान प्राधिकार पत्र —————— तक वैध रहेगा।

9. इस प्राधिकार पत्र के शीर्ष पर दिया गया है इसे संविदा से संबंधित सारे पत्राचार में और बीजक में अदायगी दर्शाते हुए भी इसे लिखा जाए।

भवदीय,
(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित:—

1. आयातक —————— को उसके पत्र सं. —————— दिनांक के —————— के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि वे बैंकरों से विनियम दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकरों के माध्यम से रुपया निक्षेप आदि जमा कराने का प्रवध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण माल की डिलीवरी संभव हो सीमाशुल्क और पतन प्राधिकारियों से मूल पोत लदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रियों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाए निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथा-उल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2. आयातक के बैंकर —————— 1(1) यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अंतर्गत आयातों को यासित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं को देखें और आयात/विदेशी भुगतान करते समय उल्लिखित कार्रवाई करें।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक की येन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने को व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपए की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 113-आई टी सी (पी एन)/88-89, दिनांक 6-4-89 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रबलित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18% वार्षिक दर से ब्याज जो कि संभरक को भुगतान की तारीख/बैंक आफ इंडिया को प्रतिपूर्ति को तारीख और जिम तारीख को समतुल्य रूपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 और सार्वजनिक सूचना सं. 35-आई टी सी (पी एन)/83 दिनांक 26-8-83 के अनुसार भारत के लेखों में जमा करना है। ब्याज दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और यह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखे में रूपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा)। 20-7-87 की सार्वजनिक सूचना सं. 230-आई टी सी (पी एन)/85-88 की शर्तनुसार आयातक द्वारा निक्षेप किए जाने वाले रुपए की गणना निकटम रुपए के गुणक में की जानी चाहिए। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक की सीमाशुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व वह धनराशि जमा की जाती है।

(3) वे धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के दाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर विलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रूपया जमा कराना है। “के डिपोविट्स एंड प्राउंडर्स-8443-सिविल डिपाजिट्स, डिपोजिट्स नोट बैंकिंग इन्स्ट्रुमेंट्स फार परवेजिज एटसेट्रो अबरोड, परवेजिज अप्पर ग्रांट एंड काम दि ग्रन्टमेंट आफजापान फार 1990-91 अप्पर डिटेलड हैंड 401 भिलियन येन ग्रांट एंड फार परवेज आफ इविवरमेंट्स/सर्विसेज फार एक्स्प्लाइटेशन आफ ग्राउंड बाटर”।

(4) जेन मामलों में तुल्य रूपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए। उन मामलों में चालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि उन के

द्वारा नियन्त्रित दिवारी तो पर भेजनी चाहिए। जिसके साथ बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा ने प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण दिवारी देने हुए एक नोटेशन पत्र होता चाहिए:—

सहायक लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),
इंडियन आयल भवन, 5वां तल (बी. विंग),
जनपथ, नई दिल्ली-110001,

(5) जिन मामलों में तुल्य रूपा उत्तर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-86 में यथा उल्लिखित दर्शानी हुए द्वारा प्रेपित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामले में जमा किए गए तुल्य रूपए चुकाए गए व्याज की राशि और वह अवधि जिसके लिए व्याज गिना गया है, का पूरा व्यौरा इस विभाग को भेजनी चाहिए।

(6) धांच के बैंक प्रभार्य और विदेशी संभरकों के बैंकरों के प्रभार, यदि कोई हो, तो वे भारतीय बैंक और बैंक आफ इंडिया, टोकियो के बीच सीधे तय किए जाने चाहिए।

(7) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत डॉलर के रूप में बैंक के कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों को भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न परिपत्रों में विनिर्दिष्ट किया गया है। इस संबंध में 5-10-1989 के ए. डी. परिवर्त सं. 18 की ओर विशेष ध्यान आकर्षित किया जाता है।

3. भारतीय दूतावास, टोकियो।

4. अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली को आई. डी. सं. —————— दिनांक —————— के संबंध में।

(लेखा अधिकारी)

MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 104—ITC(PN)/90—93

New Delhi, the 14th December, 1990

Subject :—Additional Grant Aid of Yen 401 Million for the exploitation of ground water in Rural Areas for 1990-91—Licensing Conditions—regarding.

File No. IPC/23(67)/90—93.—The terms and conditions governing the import of equipment for the execution of the projects for exploitation of groundwater, and the services necessary for the transportation of the products from Japan under Japanese Grant Aid 1990-91 of Yen 401 Million, are contained in the Appendix to this Public Notice and are notified for information.

PEJENDRA KHANNA, Chief Controller of Imports and Exports

Appendix to the Ministry of Commerce Public Notice No. 104-ITC(PN)/90-93, dated 14-12-1990.

Licensing Conditions for the execution of the project for exploitation of groundwater and the services necessary for the transportation of the products from Japan under Japanese Grant Aid for 1990-91 of Yen 401 Million (Yen 401,000,000).

Section I General Conditions

(i) The Japanese Grant Aid for 1990-91 of Yen 401 million is intended to be used for financing payments to Japanese suppliers for import of equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India, and those for internal transportation thereof to ports in India.

(ii) The import licence should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 441.1 Million (CIF) in favour of the importee, and should bear the superscription "Yen 401 million Japanese Grant Aid for 1990-91". The licence code for the first and second suffix will be "S/JN". But no import licence is required for items covered under O. G. L.

(iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agents Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licensee.

(iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid.

(v) The import licences will be issued on CIF basis with validity upto 31-3-1991.

(vi) The amount contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

"delivery to be completed by 15-3-1991".

(vii) The contract value (FOB or CIF basis only) should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

(viii) The purchases contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals. A certification (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

Section II.—The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

(i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 6th July, 1990 between the Governments of India and Japan concerning the Grant-Aid of Yen 401 million for 1990-91 and will be subject to the approval of both the Governments.

(ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorization to Pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs Janpath Bhawan Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110 001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1990-93.

(iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

(iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III Contract approval by Governments of India and Japan.

(i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (Jap.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi 6 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order of confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annexure I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

(ii) The Ministry of Economic (DEA) Japan Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1990-91 Yen 401 million and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

(ii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform that Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, Vth Floor, B-Wing, Janpath, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

(iv) On receipt of the Authorisation to pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt of the Japanese supplier under intimation

to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and the CAA&A and A.

(v) The Japanese supplier shall after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

(vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without effecting the Government of India's account.

Section IV. Responsibility for rupee deposit

(i) The original negotiable shipped documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the Nationalised banks, as mentioned in (o) in appendix-I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after asuring that the rupee equivalent of the Yen payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12% per annum for the first thirty days and at 18% for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10-8-83 and No.35-ITC (PN)83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i. e. the day on which payment is made to the Japanese Supplier and also the day in which rupee deposit is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)74 dated 31-5-1974 and modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)76 dated 12-10-1976. In terms of Public Notice No. 230-ITC (PN)85-88 dated 20-7-87 the rupee deposit to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No.8-ITC(PN)76 dated 17-1-1976 and No. 113-ITC(PN)88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through Public Notice of the CCI&E or through Exchange Central Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the Customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case

the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further "A|P" to him may be stopped. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advance 8443-Civil Deposits Deposits not bearing interest Deposits for purchases etc., abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan" for 1990-91 Grant for purchase of Equipments|services.

(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the State Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 103-ITC(PN)76 dated 12-10-1976.

(iii) The concerned bank in India shall also furnish such Additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of services charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers|their bankers that the information prescribed in Public Notice No. 103-ITC(IN) 75 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the Challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :—

- Ministry of Finance 'A|P' (Authorisation to pay) No. and date.
- Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- Date of payment to the Japanese supplier.
- The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- Total amount deposited.

(Interest to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equipments into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A|P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the services of payment and negotiable shipping documents from the Bank of

India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed moment, thereafter.

(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V : Miscellaneous Provisions

(i) Reports on the utilisation of the Grant Aid

The importers should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping, documents etc., by the importers Banker will not be acceptable as a reason for waiver of partial or full amount of interest due in the rupees deposits.

The importer should send a monthly report after the 'A|P' has been issued regarding shipments and payments made thereagainst and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, 5th Floor, (V) Wing, Janpath, New Delhi-110001.

(ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may effect the supplier in carrying out the transaction.

(iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

(iv) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any directions, instructions of orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1990-91 from Japan.

(v) Branch of violation

Any breach of violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

(vi) List of Annexures

Annexure I :—Request for issue of A|P.

Annexure II :—Form of A|P.

ANNEXURE-I
REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
 Ministry of Finance,
 Department of Economic Affairs,
 'B' Wing, 5th Floor,
 Janpath Bhavan, Janpath,
 New Delhi.

Subject : Import of Equipment and services necessary for the transportation of the equipments for exploitation of Groundwater in India from Japan under the Jajaneese Grant Aid of Yen 401 million for 1990-91 for exploitation of groundwater project.

Sir.

In connection with the import of equipment services necessary for its transportation of the Equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish A|P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date up to which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commissions (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F value (in Yen) for which the A|P is required.
- (i) Number and date of the contract with Japanese suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese supplier.
- (k) Payments terms and probable dates on which Payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating no. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions indicating if transhipment/part shipment permitted not permitted).
- (o) Name and address of the importer's Bank of India.

- (p) Who will bear the banking charges of the B. O. I., Tokyo-importer of supplier, please specify.
- (q) Undertaking by the importer:—"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to suppliers".

ANNEXURE-II

Authorisation to pay No.

No. F.

Government of India
 MINISTRY OF FINANCE
 Department of Economic Affairs.
 New Delhi, the

To

The Bank of India,
 Tokyo Branch,
 Tokyo (Japan).

Subject :—Import of equipment and services necessary for the transportation of the equipment for exploitation of Groundwater in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 401 million for 1990-91. Issue of Authorisation to pay."

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 6-7-1990 entered into with your Bank, you are hereby authorisation pay an amounts not exceeding Yen _____ to M/s. _____ as per details given in the appendix.

2. Please advise the supplier of the fact of receipt of this Authorisation to pay (A|P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A|P may be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. On making payment to the foreign suppliers, You should send to(Name & Address of Importers' Banker) the original shipping documents (negotiable as well as additional complete set of the documents and a copy the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any).

5. Banking charges including charges for handling documents and charges of Overseas Suppliers. Bankers if any, payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

6. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importers' Bank.

7. No. amendment to this A|P may be advised in the absence of a specific authority from this industry.

8. This A|P will remain valid upto

9. Please quote the number given at the top of this authorisation to pay in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,

Accounts Officer.

Copy forwarded to :—

1. Importer with reference to their letter No. dated They are requested to arrange to deposit through their bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign Nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payments failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the licensing conditions.

2. Importers' Banker

(i) This authorisation to pay is issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen Grants. The licensing conditions and connected Public Notices/ order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of the documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 113-ITC(PN) 88-91 dated 6-4-89 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Govern-

of India's account in terms of Public Notices No. 31-ITC(PN) 83 dated 10-8-1983 and No. 25-ITC(PN) 83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the date on which rupee deposit is made into the Government account. (any change in this rate will be notified if and when made). In terms of Public Notice No. 230-ITC(PN) 85-88 dated 20-7-1987 the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import negotiable documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notice No. 103-ITC(PN) 76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is K-Deposits & Advances-8443-CIVIL Deposits-Deposit not bearing interest Deposit for purchases etc. abroad-purchases under Grant Aid from Government of Japan for 1989-90 under detailed head "Yen 401 million grant aid for purchases of Equipments for exploitation of Groundwater.

(iv) One copy of the Challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advise notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Indian Oil Bhawan Vth Floor. (B Wing), Janpath, New Delhi-110001.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-68 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith interest has been calculated should be furnished to this Department.

(vi) The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the B.O.I., Tokyo.

(vii) The Bank's duties and responsibilities as authorised Dealer in foreign exchange are prescribed in various AD Circulars of the R.B.I. specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 18 dated 5-10-1989.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (Japan Section), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi with reference to I.D. No. dt.

.....

()
Accounts Officer.